

بِمَ شَهِيدًا بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۖ وَهُوَ الْغَفُورُ الرَّحِيمُ ۝۸ قُلْ مَا كُنْتُ

गवाह हूँ वोह मेरे दरमियान और तुम्हारे दरमियान.” और वोही गकूररलीम हूँ (८) ओ’लान कर दो, कि “नहीं हूँ

بِدْعَاقِنَ الرَّسْلِ وَمَا أَدْرِى مَا يُفْعَلُ بِي وَلَا بِكُمْ ۖ إِنْ أَتَيْتُمُ

में कुछ बिद्’अत रसूलोंकी जमाअतसे, और न में अटकल लगाओ कि क्या किया जायेगा मेरे साथ और तुम्हारे साथ. मैं बतातेमें नहीं

مَا يُؤْتَى إِلَىٰ وَمَا أَنَا إِلَّا نَذِيرٌ مُّبِينٌ ۝۹ قُلْ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كَانَ مِنْ

पैरवीकरता, मगर उसकी जिसकी वहीकी जातीहै मेरी तरफ, और में भुवाभुवा दर सुनानेवाला ही हूँ” (९) क्रेड दोकि “क्या तुमनेअ-जाम पर नजर कर ली

عِنْدَ اللَّهِ وَكَفَرْتُمْ بِهِ ۖ وَشَهِدَ شَاهِدٌ مِنْ بَنِي إِسْرَائِيلَ عَلَىٰ

है, अगर यह किताब अल्लाहकी तरफसे हुई, और तुम लोगोंने ई-कार कर रभा है उसका,” और गवाही दे दी अक ईस्राईली गवाहने ओसी

مِثْلِهِ قَامِنَ ۖ وَاسْتَكْبَرْتُمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝۱०

किताब पर, फिर ईमानका ओ’लान कर दिया, और तुम बडाईकी रीग लेते रहे. बेशक अल्लाह नहीं राह देता अंधेर मथानेवालोंकी (१०)

وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لِلَّذِينَ آمَنُوا لَوْ كَانَ خَيْرًا مَا سَبَقُونَا إِلَيْهِ ۖ

और भोले जिन्होंने कुफ्र किया है उनके लिये जो ईमान ला चुके हैं, कि अगर यह बेहतर होता तो यह हमसे पहले न पहुँचते उसकी तरफ,

وَإِذْ لَمْ يَهْتَدُوا بِهِ ۖ فَسَيَقُولُونَ هَذَا أَرَأَيْتُمْ لَمَّا كَانَتْ

और जब कि राह न पाई उसकी, तो अब कहेंगे कि पुरानी गढन्त है (११) और उसके पहले

كُتِبَ مُوسَىٰ إِمَامًا وَرَحْمَةً ۖ وَهَذَا كِتَابٌ مُّصَدِّقٌ لِّسَانِكَ عَرَبِيًّا

भूसाकी किताब, रहनुमा और रहमत. और यह किताब तरहीक इरमानेवाली है ज़बाने अरबीमें,

لِيُنذِرَ الَّذِينَ ظَلَمُوا ۗ وَبُشْرَىٰ لِلْمُحْسِنِينَ ۝۱१ إِنَّ الَّذِينَ قَالُوا

ताकि दर सुना दे उन्हें जो अंधेर मथया किये. और भुश भबरी अहसानवालोंके लिये (१२) “बेशक जो काईल हो गये

رَبَّنَا اللَّهُ ثُمَّ اسْتَقَامُوا فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝۱२ أُولَٰئِكَ

कि हमारा रब अल्लाह है, फिर उस पर जम गये, तो न कोई दर है उन्हें, और न वोह र-ज्जदा होते हैं (१३) वोह लोग

أَصْحَابُ الْجَنَّةِ خَالِدِينَ فِيهَا جَزَاءً بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۝۱३ وَوَصَّيْنَا

जन्ती हैं, हमेशा रहनेवाले उसमें, धवाब उसका जो अमल करते थे” (१४) और ताकीद इरमाई

الإنسان بوالديه أحسنًا حملته أمه كرهاً ووضعته كرهاً ۖ

हमने ई-सानकी अपने मां-बापके साथ अहसानकी. पेटमें रभा उसकी मांने मशकतसे, और जना उसे दहसे.

وَحِصْلُهُ وَفِصْلُهُ ثَلَاثُونَ شَهْرًا حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ اَشُدَّهُ وَبَلَغَ

और पेटमें रहने और दूध छुड़ानेका जमाना तीस महीना है। यहाँ तक कि जब पछोंचा अपने जोरको, और छो गया

الرَّبْعِينَ سَنَةً قَالَ رَبِّ أَوْزِعْنِي أَنْ أَشْكُرَ نِعْمَتَكَ الَّتِي أَنْعَمْتَ

यावीस सालका, हुआ की, कि “परवरदिगारा मेरे दिलमें उतार दे कि शुक्र करता रहूँ तेरी ने’मतका, जो र्छन्आम इरमाया तू

عَلَىٰ وَعَلَىٰ وَالِدَيَّ وَأَنْ أَعْمَلَ صَالِحًا تَرْضَاهُ وَأَصْلِحْ لِي فِي

ने मुज पर, और मेरे मां बाप पर, और यह कि करता रहूँ काबिलियतके काम, जिससे तू पुश रहे। और काबिलियत रभ मेरे

ذُرِّيَّتِي ۖ إِنِّي تُبْتُ إِلَيْكَ وَإِنِّي مِنَ الْمُسْلِمِينَ ۝۱۵ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

लिये मेरी औलादमें। बेशक में रुजूअ लाया तेरी तरफ, और बेशक में मुसल्मान हूँ” (१५) यह हैं कि

تَتَقَبَّلُ عَنْهُمْ أَحْسَنَ مَا عَمِلُوا وَنَتَجَاوَزُ عَنْ سَيِّئَاتِهِمْ فِي أَصْحَابِ

कबूल इरमा लेंगे हम उनसे जो पुभ काम किये उन्होंने, और दरगुजर कर देंगे उनकी पाभियोंसे जन्तियोंमें,

الْجَنَّةِ ۖ وَعَدَ الصَّادِقُ الذِّي كَانُوا يُوْعَدُونَ ۝۱۶ وَالَّذِي قَالَ

सयका वा’दा, जो उन्हें दिया जाता था (१६) और जिस किसिने कहा

لِوَالِدَيْهِ أَقْبَلْتُ لَكُمْ آتِئْتُهُمْ أَنْ أُخْرِجَهُمْ وَكَلِمَاتِ الْقُرْآنِ مِنَ

अपने मांभापसे, कि तुफ हें तुम पर, क्या तुम दोनों वा’दा देते हो मुजे, कि निकाला जाईगा, हावांकि गुजर युकी कौमें मुजसे

قَبْلِي ۚ وَهُمَا يَسْتَغِيثَنَّ اللَّهُ وَيَلْكَ أَمِنْ ۚ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ ۚ

पहले। और वोड दोनों इरियाद करते हैं अल्लाहसे, कि तुज पर अइसोस है मान जा, कि बेशक अल्लाहका वा’दा हीक है।

فَيَقُولُ مَا هَذَا إِلَّا آسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ۝۱۷ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ حَقَّ عَلَيْهِمُ

तो वोड जवाब देता है, कि “यह नहीं है मगर अगलोंकी कहानियां” (१७) यही हैं कि दुरुस्त हो गछ

الْقَوْلُ فِي أَمِّهِمْ قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِمْ مِنَ الْجِنَّ وَالْإِنْسِ إِنَّهُمْ

जिन पर वोड बात र्छन जमर्छ्यतोंमें, कि जो पहले गुजर युके, जिन्नात व र्छन्सानकी। बेशक वोड

كَانُوا خَسِرِينَ ۝۱۸ وَلِكُلِّ دَرَجَةٍ فَسَاعِلُوهَا وَلِيُوقِفَهُمْ أَعْمَالَهُمْ وَ

घाटेवाले थे (१८) और हर अकके दरजे हैं उस अमलसे जो उन्होंने किया, और ताकि भरपूर दे उन्हें अल्लाह उनके आ’माल

هُمْ لَا يُظْلَمُونَ ۝۱۹ وَيَوْمَ يُعْرَضُ الَّذِينَ كَفَرُوا عَلَى النَّارِ أَلْهَبْتُمْ

को, और वोड जुल्म न किये जाअेंगे (१९) और जिस दिन कि पेश किये जाअेंगे काकिर लोग आग पर, कि भत्म कर युके

كَيْبَتِكُمْ فِي حَيَاتِكُمُ الدُّنْيَا وَاسْتَمْتَعْتُمْ بِهَا ۖ قَالِیَوْمَ تُجْرَوْنَ

تुम अपनी अच्छी चीजोंको, अपनी दुन्यावी जिन्दगीमें, और मजे लूटे उनके. अब आजके दिन बढवा दिये जाओगे तुम जिल्लतका

عَذَابِ الرَّهْمَانِ بِمَا كُنْتُمْ تَسْتَكْبِرُونَ ۚ فِي الْأَرْضِ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَ

अजाब, जो बडे बना करते थे तुम जमीनमें नाइक, और

بِمَا كُنْتُمْ تَفْسُقُونَ ۚ وَادْكُرْ أَخَا عَادٍ ۚ إِذْ أَنْذَرَ قَوْمَهُ بِالْأَحْقَافِ

जो नाइरमानी करते थे (२०) और याद करो आदकी बिरादरीवालेको, जबकि दर सुनाया था अपनी कौमको वादीअे अइकाइमें,

وَقَدْ خَلَّتِ النَّذْرُ مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ ۚ وَمَنْ خَلْفَهُ إِلَّا تَعْبُدُ ۚ وَاللَّا

और बेशक गुजर चुके थे बखीतसे दर सुनानेवाले उनके पहले और बा'दमें, कि मत पूजो सिवा अल्लाहके,

اللَّهُ إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ عَظِيمٍ ۚ قَالُوا أَجِئْنَا لِنَتَأَفَّكُنَا

बेशक में डरता हूँ तुम पर बडे दिनके अजाबको (२१) सब बोले कि क्या आये हो तुम हमारे

عَنِ الْهَيْتَانِ ۚ فَأْتِنَا بِمَا تَعِدُنَا إِن كُنْتَ مِنَ الصَّادِقِينَ ۚ قَالَ

पास, ताकि भाज रभो हमें हमारे मा'बूहोंसे, तो ले ही आओ जिसका वा'दा देते हो हमें अगर सच्ये हो (२२) जवाब दिया कि

إِنَّمَا الْعِلْمُ عِنْدَ اللَّهِ ۚ وَأُبَلِّغُكُمْ مَا أُرْسِلْتُ بِهِ ۚ وَلَكِنِّي أَرَىٰكُمْ

ईसका ईल्म अल्लाहको है. और मैं पैगाम सुनाये देता हूँ तुम्हें जिसके साथ भेजा गया हूँ, लेकिन मैं देख रहा हूँ

قَوْمًا يَجْهَلُونَ ۚ فَلَمَّا رَأَوْهُ عَارِضًا مُّسْتَقْبِلَ أَوْدِيَّتِهِمْ ۚ قَالُوا

तुम्हें कि जहालत कर रहे हो (२३) फिर जब देख लिया ईन सभने उस अजाबको, कि अन्न आता हुवा सामनेसे उनकी वादियों

هَذَا عَارِضٌ مُّطْرًا ۚ بَلْ هُوَ مَا اسْتَعْجَلْتُمْ بِهِ ۚ رِيحٌ فِيهَا عَذَابٌ

की तरफ, बोले कि यह अन्न है भरसनेवाला हम पर, बल्कि वोड वोडी है, जिसकी जल्दी मयाई थी तुमने. उवा है जिसमें हुबवाला

أَلِيمٌ ۚ تَدْمِرُ كُلَّ شَيْءٍ ۚ بِأَمْرِ رَبِّهَا ۚ فَأَصْبَحُوا لَا يُرَىٰ إِلَّا مَسَكِنُهُمْ

अजाब है (२४) उलट पलट देती है हर चीजको अपने रबके हुकमसे, अब सुबह की उन्होंने कि नजर नहीं आते मगर उनके घर.

كَذَلِكَ نُجَزِي الْقَوْمَ الْمُجْرِمِينَ ۚ وَلَقَدْ مَكَّنَّمْ فِيمَا إِنْ مَكَّنَّمْ

ईसी तरह सजा देते हैं हम मुजरिमोंको (२५) और बेशक मकदुरत वाला किया था हमने उन्हें उसमें,

فِيهِ ۚ وَجَعَلْنَا لَهُمْ سَمْعًا وَأَبْصَارًا وَأَفْئِدَةً ۚ فَمَا أَغْنَىٰ عَنْهُمْ

जिसमें तुम्हें मकदुरत नहीं दी, और बनाया था उनके भी कान और आंभें और दिल. फिर भी न काम आये उनके,

سَعَهُمْ وَلَا أَبْصَارَهُمْ وَلَا أَفِيدَتُهُمْ مِنْ شَيْءٍ إِذْ كَانُوا يُجَادُونَ

उनके कान और न उनकी आंखें, और न उनके दिल कुछ, क्योंकि वो छ-कार किया करते थे,

بِآيَاتِ اللَّهِ وَحَاقَ بِهِمْ قَاكَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ۝۳۳ ۝ وَلَقَدْ أَهْلَكْنَا

अल्लाहकी आयतोंका, और घेर लिया उन्हें जिसकी छंसी उड़ाया करते थे (२६) और बेशक बरबाद करमा दिया

مَا حَوَّلَكُمْ مِنَ الْقُرَىٰ وَصَرَّفْنَا الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ يَرْجِعُونَ ۝۳۴ ۝ فَلَوْلَا

छमने जो तुम्हारे छर्द गिर्दकी आबादियां छें, और बारबार करेते रहे अपनी निशानियां कि तौबा कर लें (२७) तो क्यूं न

نَصَرَهُمُ الَّذِينَ اتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ قُرْبَانًا آلِهَةً ۝۳۵ ۝ تَبَلَّوْا

मददकी उनकी छन्होंने, जिनकी बना रभा था अल्लाहके बिलाइ, कुर्बे छलाहीके लिये मा'बूद. बल्लि वो छ भिसक गये

عَنْهُمْ ۝ وَذَلِكَ أَفْكَهُمُ وَمَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ۝۳۶ ۝ وَإِذْ صَرَّفْنَا إِلَيْكَ قُرْآنًا

उनसे, और य छ उनका गढा छूट, और वो छ छे जो तावीलें बनाया करते थे (२८) और जबकि छम करे कर लाये तेरे पास

مِّنَ الْجِنِّ يَسْتَمِعُونَ الْقُرْآنَ ۝ فَلَمَّا حَضَرُوهُ قَالُوا أَنصِتُوا فَلَمَّا

यन्द जिन्नातको, कि सुनें कुरआनकी, तो जब वो छ छल्लिर छूअे वछां, बोले कि “भामोश रहो,” फिर जब

قَضَىٰ وَكَلَّوْا إِلَىٰ قَوْمِهِمْ مُّنتَذِرِينَ ۝۳۷ ۝ قَالُوا يَا قَوْمَنَا إِنَّا سَمِعْنَا كِتَابًا

भत्म कर दिया गया, फिर अपनी कौमकी तरफ उर सुनानेवाले (२९) सब बोले, कि “अे छमारी कौम बेशक छम सुन आये

أُنزِلَ مِنْ بَعْدِ مُوسَىٰ مُّصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ يَهْدِي إِلَى الْحَقِّ

अेक किताबको, जो उतारी गछ छे मूसके बा'द तस्दीक करती छूछ अपनी अगलीकी, रा छ बताती छे छककी तरफ,

وَالِى طَرِيقٍ مُّسْتَقِيمٍ ۝۳۸ ۝ يَقَوْمَنَا أَحْيُوا دَاعِيَ اللَّهِ وَآمِنُوا بِهِ

और सीधे रास्तेकी तरफ (३०) अे छमारी कौम, कछा मान लो अल्लाहके दाछका, और उसको मान जाओ

يَعْفِرْ لَكُمْ مِّنْ ذُنُوبِكُمْ وَيُجِرْكُمْ مِّنْ عَذَابِ إِلَهِمْ ۝۳۹ ۝ وَمَنْ لَا يُجِبْ

कि वो छ बपश दे तुम्हें, या'नी तुम्हारे गुनाछोंको, और बया ले तुम्हें दुभवाले अजाबसे” (३१) और जिसने कछा न माना

دَاعِيَ اللَّهِ فَلَيْسَ بِمُعْجِزٍ فِي الْأَرْضِ وَلَيْسَ لَهُ مِنَ دُونِ أَوْلِيَاءٍ ۝

अल्लाहके दाछका, तो वो छ नहीं छे बेकाभू कर देनेवाला जमीनमें, और नहीं उसका अल्लाहके बिलाइ कौछ मददगार.

أُولَئِكَ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝۴० ۝ أَوَلَمْ يَرَوْا أَنَّ اللَّهَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ

वो छ लो ग भुली बेराछीमें छें (३२) क्या छन्होंने नहीं देभा कि बेशक अल्लाह, जिसने पैदा करमाया आस्मानों

وَالْأَرْضَ وَلَمْ يَعْزِمْ بِخَلْقِهِنَّ بِقَدْرِ عَلَىٰ أَنْ يُحْيِيَ الْمَوْتَىٰ بَلَىٰ إِنَّهُ

और जमीनको, और नहीं थका उनके पैदा करनेमें, कुदरत रभता है उस पर कि जिला दे मुर्दोंको, क्यूं नहीं. बेशक वोह

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۳۳﴾ وَيَوْمَ يُعْرَضُ الَّذِينَ كَفَرُوا عَلَى النَّارِ

हर याहे पर कुदरतवाला है (उउ) और जिस दिन पेश किये जायेंगे जिन्होंने कुफ्र किया था आग पर.

أَلَيْسَ هَذَا بِالْحَقِّ قَالُوا بَلَىٰ وَرَبِّنَا قَالَ فَذُوقُوا الْعَذَابَ بِمَا

कि क्या नहीं है यह बिल्कुल सच? उन्हें बोलना पडा, कि “क्यूं नहीं, अपने रभकी कसम.” इरमान हुवा, कि “अब यभो अजाब, जो

كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿۳۴﴾ فَاصْبِرْ كَمَا صَبَرَ أُولُو الْعَزْمِ مِنَ الرُّسُلِ وَلَا

ईशकर किया करते थे” (उउ) तो तुम सभ्र करते रहो जिस तरह छिम्मतवाले रसूलोंने सभ्र किया, और

تَسْتَعْجِلُ لَهُمْ كَأَنَّهُمْ يَوْمَ يَرُونَ مَا يوعَدُونَ لَمْ يَلْبَثُوا إِلَّا

मत जल्दी करो उनके लिये जिस दिन वोह देभ लेंगे जिसका वा'दा किया जाता है, तो वोह लोग गोया कि नहीं हरे थे

سَاعَةً مِّنْ نَّهَارٍ بَلَّغٌ فَمَهْلُ يُهْلِكُ إِلَّا الْقَوْمَ الْفَاسِقُونَ ﴿۳۵﴾

मगर घडी भर दिनको. यह पैगाम रसानी है. तो नहीं हलाक किये जायेंगे मगर नाकरमान लोग (उप)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

सूरअे मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) मदनिय्या नामसे अल्लाहके भडा महरबान बप्शनेवाला आयात उउ रुकुअ ४

الَّذِينَ كَفَرُوا وَاصْدُوا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ أَضَلَّ أَعْمَالَهُمْ ﴿۱﴾ وَ

जिन्होंने कुफ्र किया, और रोकते रहे अल्लाहकी राहसे, अल्लाहने गारत कर दिया उनके अमलोंको (१) और

الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَآمَنُوا بِمَا نُزِّلَ عَلَىٰ مُحَمَّدٍ وَ

जो ईमान लाये, और नेकियांकी, और मान गये जो उतारा गया है मुहम्मद पर, और वोही

هُوَ الْحَقُّ مِنْ رَبِّهِمْ كَفَرَتْ عَنْهُمْ سَيِّئَاتِهِمْ وَأَصْلَحَ بِرَبِّهِمْ ﴿۲﴾ ذَلِكَ

बिल्कुल ठीक है उनके रभकी तरफसे, तो उतार दिया अल्लाहने उनसे उनकी बुराईयोंको, और दुरुस्त करमा दिया उनके डालको (२) यह

بِأَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا اتَّبَعُوا الْبَاطِلَ وَأَنَّ الَّذِينَ آمَنُوا اتَّبَعُوا الْحَقَّ

ईस लिये कि जिन्होंने कुफ्र ईप्तिथार किया, उन्होंने पैरवी की बातिलकी, और बिलाशुभल जो ईमान लाये, उन्होंने पैरवी की अपने रभ

مِنْ رَبِّهِمْ كَذَلِكَ يَضْرِبُ اللَّهُ لِلنَّاسِ أَمْثَالَهُمْ قَدْ آذَى الْقَيْتَمُ

की तरफसे आये हूअे हककी. ईसी तरह उनके जर्बुल मिधल इरमाता है अल्लाह, लोगोंके लिये (उ) तो जब मुडभेड डो गई तुम्हारी

الَّذِينَ كَفَرُوا فَضْرَبَ الرِّقَابِ حَتَّىٰ إِذَا أَتَّخَذْتُمُوهُمْ فَسُدُّوا

उनसे, जिन्होंने कुफ़ किया है, तो गरदन पर मार देना है. यहाँ तक कि जब मुँह काट कर रभ दिया तुमने, गिरफ़्तारोंको बांधो

الْوَثَاقِ ۖ فَمَا مَتَابَعْدُ وَإِمَّا فِدَاءً حَتَّىٰ تَضَعَ الْحَرْبُ أَوْزَارَهَا ۗ

मजबूत, अब या अख़सान कर देना है उसके बा'द, या फ़िदया ले कर छोडना है, यहाँ तक कि रभ दे जंग अपने छथियारोंको..

ذَٰلِكَ ۗ وَلَوْ يَشَاءُ اللَّهُ لَآتَتْكُمْ مِنْهُمُ وَالْكِفَّاتُ وَلَكِنْ لِّيَبْلُوَ بَعْضَكُمْ بِبَعْضٍ ۗ

डुकम यही है. और अगर याहता अल्लाह, तो मुँह भदला ले लेता उनसे, लेकिन ताकि आजमाये तुम्हारे अकको दूसरेसे.

وَالَّذِينَ قَتَلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَلَنْ يُغْمَلَ أَعْمَالُهُمْ ۖ سَيُهَيِّجُهُمُ

और जो मारे गये अल्लाहकी राहमें, तो न अकारत करेगा अल्लाह उनके अमलोंको (४) जल्ल राह देगा

وَيُضِلُّهُمْ بِاللَّهِ ۗ وَيُدْخِلُهُمُ الْجَنَّةَ عَرَفَهَا اللَّهُ ۖ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

उन्हें, और दुरुस्त करमा देगा उनका डाल (५) और दाभिल करमायेगा उन्हें जन्नतमें, जिसकी पडखान कराही है उन्हें (६) अे ठमानवालो!

آمَنُوا إِنْ تَنَصَّرُوا لِلَّهِ يُثْرِكُمْ وَيُنَبِّتُ أَقْدَامَكُمْ ۖ وَالَّذِينَ

अगर मदद करोगे तुम हीने ठलाडीकी, तो मदद करमायेगा वोड तुम्हारी, और पाभित कदम कर देगा तुम्हें (७) और जिन्होंने कुफ़ किया

كَفَرُوا فَتَعَسَّأَلَهُمْ وَأَصْلَ أَعْمَالِهِمْ ۗ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَرِهُوا مَا أَنْزَلَ

तो वोड तबाह हों, और गारत कर दिया उनके अमलोंको (८) यड ठस लिये, कि नागवार रभा उन्होंने जो कुड उतारा

اللَّهُ فَاحْبَطُوا أَعْمَالَهُمْ ۗ أَفَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ

अल्लाहने, तो उसने मलिया भैट कर दिया उनके अमलोंको (९) तो क्या नहीं सैर की जमीनमें ? कि देभें कि डेसा

كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۗ دَمَّرَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ ۗ وَلِلْكَافِرِينَ

रखा अन्जाम उनका, जो उन लोगोंके पडले हूअे ? तबाही डाल ही अल्लाहने उन पर, और ठन काकिरोंके लिये

أَمْثَالُهَا ۗ ذَٰلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ مَوْلَى الَّذِينَ آمَنُوا وَأَنَّ الْكَافِرِينَ لَا

भी ठसी तरड छोना है (१०) यड ठस लिये कि भिलाशुभड अल्लाह भौला है उनका जो ठमान लाअे, और यकीनन काकिरोंका कोठ

مَوْلَى لَهُمْ ۗ إِنْ اللَّهُ يُدْخِلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ جَنَّاتٍ

भौला नहीं (११) भेशक अल्लाह दाभिल करमायेगा उन्हें जो ठमान लाअे और नेकियां कीं, बागोंमें,

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ وَالَّذِينَ كَفَرُوا يَتَنَبَّهُونَ وَيَأْكُلُونَ

जिनके नीचे नहरें भेडती हें. और जिन्होंने कुफ़ किया वोड रडते सडते हें, और पाते रडते हें

كَمَا تَأْكُلُ الْأَنْعَامُ وَالنَّارُ مَثْوًى لَّهُمْ ۗ وَكَأَيِّنْ مِّنْ قَرْيَةٍ هِيَ أَشَدُّ

जिस तरह भाते हैं चौपाये, और आग ठिकाना है उनका (१२) और कितनी आबादियां हैं ज़्यादा जोरदार

قُوَّةً مِّنْ قَرْيَةٍ الَّتِي أَخْرَجْتَكَ أَهْلَكَ مِنْهَا فَلَا تَأْخُذُ بِكُمْ ۗ أَمَّنْ

तुम्हारी ठस आबादीसे, जिसने तुमको बाहर कर दिया, कि भरबाद कर दिया उमने उन्हें, तो नरख कोई मद्दगार उनका (१३) तो क्या जो छे

كَانَ عَلَى بَيْنَتَيْنِ مِّنْ رَبِّكَ كَسْنٌ لِّئِنَّ لَهُ سَوْءَ عَمَلٍ وَاتَّبَعُوا أَهْوَاءَهُمْ ۗ

रौशनदलील पर अपनेरबकी तरफसे, औसा है जैसा वोड जिसकी निगाडमें भली कर दी गई उसकी बद्दकिरदारी, और पैरवीकी अपनी प्वाडिशोंकी (१४)

مَثَلُ الْجَنَّةِ الَّتِي وَعَدَ الْمُتَّقُونَ ۗ فِيهَا أَنْهَارٌ مِّنْ مَّاءٍ غَيْرِ آسِنٍ وَ

जन्नतकी सूरत, जिसका वा'दा दिये गअे हैं अल्लाडसे उरनेवाले, यड है कि उसमें नडरें हैं औसे पानीकी, जो भराभ छोनेवाला नहीं. और

أَنْهَارٌ مِّنْ لَّبَنٍ لَّمْ يَتَغَيَّرْ طَعْمُهُ ۗ وَأَنْهَارٌ مِّنْ خَمْرٍ لَّذَّةٍ لِلشَّرِيبِينَ ۗ

नडरें दूधकी, कि जिसका जाअेका नहीं बदला. और नडरें हैं शराबकी मजेदार पीनेवालोंके लिये..

وَأَنْهَارٌ مِّنْ عَسَلٍ مُّصَفًّى ۗ وَلَهُمْ فِيهَا مِن كُلِّ الثَّمَرَاتِ وَفَعْفَرَةٌ

और नडरें हैं साड किये डूअे शडदकी. और उनके लिये उसमें डर तरहके डल हैं, और मङ्कुरत है

مِّنْ رَبِّهِمْ ۗ كَسْنٌ هُوَ خَالِدٌ فِي النَّارِ وَسُقُوا مَاءً حَمِيمًا فَقَطَّعَ

उनके रबकी तरफसे. क्या यड उनकी तरह है, जो डमेशा रहनेवाला है आगमें, और पिलाअे गअे भौलता पानी, तो उसने टुकडे

أَمْعَاءَهُمْ ۗ وَمِنْهُمْ مَّنْ يَسْتَبِعُ إِلَيْكَ حَتَّىٰ إِذَا خَرَجُوا مِنْ

कर दिये उनकी आंतोंके (१५) और उनके भा'ज हैं, कि कान रभते हैं तुम्हारी तरफ, यडं तक कि जब निकले तुम्हारे

عِنْدِكَ قَالُوا الَّذِينَ أُوْتُوا الْعِلْمَ مَاذَا قَالَ أَنفَاؤُ الَّذِينَ الَّذِينَ

पाससे, भोले उन्हें जो ईल्म दिये गअे हैं, कि क्या कडा था उसने अभी.. वोडी लोग हैं

طَبَعَ اللَّهُ عَلَى قُلُوبِهِمْ وَاتَّبَعُوا أَهْوَاءَهُمْ ۗ وَالَّذِينَ اهْتَدَوْا

कि छाप लगा दी अल्लाडने उनके दिलों पर, और पैरवीकी उन्होंने अपनी प्वाडिशोंकी (१६) और जिन्होंने छिदायत पाई,

زَادَهُمْ هُدًى وَاتَّهُم تَقْوَاهُمْ ۗ فَهَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا السَّاعَةَ

भडा दी अल्लाडने उनकी छिदायत, और दिया उन्हें अपना भौड (१७) तो किसका ईन्तिजार कर रहे हैं यड काकिर लोग, मगर क्यामतका,

أَنْ تَأْتِيَهُمْ بَغْتَةً ۗ فَقَدْ جَاءَ أَشْرَاطُهَا ۗ فَأَلَمِي لَهُمْ إِذَا جَاءَهُمْ ذِكْرُهُمْ ۗ

कि आ जाअे उन पर अचानक, तो बिवाशुभड आ चुकी हैं उसकी अलाभमें, तो कडं रडेगा उनका समज जाना, जब क्यामत छी आ गई उन पर (१८)

فَاعْلَمْ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَاسْتَغْفِرْ لِذَنْبِكَ وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ ط

तो जान रभो कि बिलाशुभ नही है कोर पूजनेके काबिल सिवा अल्लाउके, और मङ्गिरत याछो अपनोकी और ठमानवाले मर्दों और औरतोकी.

۲
۸
۴

وَاللَّهُ يَعْلَمُ مُتَقَلَّبَكُمْ وَمَثْوَاكُمْ ۱۹ وَيَقُولُ الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَرْزُقْنَا

और अल्लाउ जानता है तुम्हारे चल फिरको, और तुम्हारे ठिकाना लेनेको (१९) और केहते हैं वोड जो ठमान वा चुके, कि क्यूं नही नाजिल की

سُورَةٌ ۲۰ قَدْ آتَيْنَا لَكَ فِي هَذِهِ السُّورَةِ آيَاتٍ وَمَا نَحْنُ بِمُنظَرِينَ ۲۱

जाती कोर सूरत. फिर जब उतारी गर कोर भुली साइ सूरत, और जिक किया गया उसमें जिहादका. तो देभ चुके छो तुम

الَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ يُنظُرُونَ إِلَيْكَ نَطْرَ الْمَغْشِيِّ عَلَيْهِ

उन्हें जिनके दिलोंमें भीमारी है, कि देभते रह जाते हैं तुम्हारी तरफ, भौतकी बेछोशी

مِنَ الْمَوْتِ فَأُولَئِكَ لَهُمْ طَاعَةٌ ۲۲ وَقَوْلٌ مَّعْرُوفٌ ۲۳ فَأَذَاعَ لَكُمْ

वालोंकी तरफ. तो ओला है उनके लिये (२०) इरमांभरदारी और अखरी बोली.. फिर जब हुकम नातिक

الْأَمْرِ تَقْوًا وَكَلِمَةً طَيِّبَةً ۲۴ وَاللَّهُ يَخْتَارُ ۲۵ قُلْ عَسَىٰ أَن يَأْتِيَكُمُ

छो गया.. तो अगर सख्ये रहते अल्लाउसे, तो छोता भेडतर उनके लिये (२१) तो क्या यह छोनछार है, कि अगर तुम

الْبُرْءُ مِنِّي وَأَن يَأْتِيَكُمُ الْيَقِينُ ۲۶ وَتَقَطَّعُوا الْأَرْضَ وَالسَّمَاوَاتِ ۲۷ وَأُولَئِكَ

ने हुकूमत पावी, तो इसाद मयाते फिरो जमीनमें, और काटते रहो अपने रिशतोंको (२२) यही इसादी हैं

الَّذِينَ لَعَنَهُمُ اللَّهُ فَأَصَمَّهُمْ وَأَعَمَّى أَبْصَارَهُمْ ۲۸ أَفَلَا يَتَذَكَّرُونَ

जिन्हें फिटकार दिया अल्लाउने, तो भडरा कर दिया उन्हें और झोड दिया उनकी आंभोंको (२३) तो क्या नही सोचा करते

الْقُرْآنَ أَمْ عَلَىٰ قُلُوبٍ أَقْفَالُهَا ۲۹ إِنَّ الَّذِينَ ارْتَدُّوا عَلَىٰ أَدْبَارِهِمْ

कुरआनको ? या उनके दिलों पर उनके कुकल हैं (२४) भेशक जो मुर्तद छो गये

مِّنْ بَعْدِ مَا تَبَيَّنَ لَهُمُ الْهُدَىٰ الشَّيْطَانُ سَوَّلَ لَهُمْ وَأَمَلَىٰ لَهُمْ ۳۰

बा'द इसके कि रौशन छो चुकी उनके लिये छिदायत, तो शैतानने यर्का दे दिया उन्हें, और मोडलतकी सुजाई उन्हें (२५)

ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لِلَّذِينَ كَرِهُوا مَا نَزَّلَ اللَّهُ سَنُطِيعُكُمْ فِي بَعْضِ

यह इस लिये कि वोड बोले उन्हें, जो नागवार रभा किये उसको जिसे उतारा अल्लाउने, कि अब कडा मानेंगे तुम्हारा

الْأَمْرِ ۳۱ وَاللَّهُ يَعْلَمُ أَسْرَارَهُمْ ۳۲ فَكَيْفَ إِذَا تَوَفَّتْهُمُ الْمَلَائِكَةُ يُصِرُّونَ

बा'ज मुआमलेमें, और अल्लाउ जानता है उनके भेदको (२६) तो कैसे छोगा जडां इड कलकी उनकी इरिशतोंने, मार रहें हैं

وَجُوهَهُمْ وَاذْبَارَهُمْ ۚ ذٰلِكَ بِاَنَّهُمْ اتَّبَعُوْا مَا اسَّخَطَ اللّٰهُ وَكَرِهُوا

उनके मुंह और पीठों पर (२७) यह ठस लिये कि उन्होंने पैरवी की उसकी, जिसने नाराज कर दिया अल्लाहको, और नागवार जाना

رِضْوَانَهُ فَاَحْبَطَ اَعْمَالَهُمْ ۗ اَمْ حَسِبَ الَّذِيْنَ فِيْ قُلُوْبِهِمْ قُرْصٌ

उसकी भुशनुहीकी, तो उसने गारत कर दिया उनके आ'मालको (२८) क्या गुमान कर लिया है उन्होंनेने जिनके दिलोंमें भीमारी है,

اَنْ لَّنْ يُخْرِجَ اللّٰهُ اَصْعَابَهُمْ ۗ وَلَوْ نَشَاءُ لَارْتِيْنٰكُمْ فَلَعرَفْتَهُمْ

कि हरगिज न जाडिरे करेगा अल्लाह उनके छुपे ठनादको (२८) और अगर हम चाहे तो दिभा दें तुम्हें उनको, अब तो यकीनन तुम पडयान युके उन्हें

بِسِيْرِهِمْ ۗ وَكَتَعْرِفْتَهُمْ فِيْ لَحْنِ الْقَوْلِ ۗ وَاللّٰهُ يَعْلَمُ اَعْمَالَكُمْ ۗ

उनकी सूरतसे. और यकीनन पडयानते रहोगे उन्हें बातथीतके अन्दाजसे, और अल्लाह जानता है तुम्हारे आ'मालको (३०)

وَلَنْبَلُوْكُمْ حَتّٰى نَعْلَمَ السُّجُهْدِيْنَ مِنْكُمْ وَالصّٰبِرِيْنَ ۗ وَنَبِّئُوْا

और यकीनन हम आजमाअेंगे तुम सभको, यहाँ तक कि हम पडयानवा दें तुम्हारे जिडादवालों और सभ्रवालोंको, और ज्ञाय दें तुम्हारे

اَحْبَارَكُمْ ۗ اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَصَدّٰوْا عَنِ سَبِيْلِ اللّٰهِ وَشَاقُوْا

दा'वोंको (३१) बेशक जिसने कुङ किया और रोकता रहा अल्लाहकी राडसे, और जिदबांधी

الرّسُوْلَ مِنْۢ بَعْدِ مَا تَبَيَّنَ لَهُمُ الْهُدٰى ۗ لَنْ يَصُرُوْا وَاللّٰهُ شَهِيدٌ ۗ

रसूलकी, बा'द ठसके कि रौशन हो युकी उनके लिये छिदायत, न बिगाड सकेंगे अल्लाहका कुछ.

وَسَيُحِبُّ اَعْمَالَهُمْ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا اطّيعُوا اللّٰهَ واطّيعُوا

और जद अकारत कर देगा उनके आ'मालको (३२) औ ठमानवालो ! कडा मानते रहो अल्लाहका, और कडा मानते रहो

الرّسُوْلَ وَلَا تَبْطَلُوْا اَعْمَالَكُمْ ۗ اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَصَدّٰوْا عَنِ

रसूलका, और न भरबाद कर डालो अपने आ'मालको (३३) बेशक जिन्होंने कुङ किया, और रोका

سَبِيْلِ اللّٰهِ ثُمَّ مَاتُوْا وَهُمْ كُفّٰرٌ فَلَنْ يَغْفِرَ اللّٰهُ لَهُمْ ۗ فَلَا تَرْتَهِنُوْا

अल्लाहकी राडसे, फिर मर गअे, और वोड काकिर ही हैं, तो हरगिज न भपशेगा अल्लाह उन्हें (३४) तो तुम अपनेकी

وَتَدْعُوْا اِلَى السَّلٰمِ ۗ وَاَنْتُمْ الْاَعْلَوْنَ ۗ وَاللّٰهُ مَعَكُمْ وَلَنْ يّٰتِيْرَكُمْ

कमजोर न जानो, कि दा'वत देने लगो सुडकी, डालांकि तुम ही ठिंचे हो. और अल्लाह तुम्हारे साथ है, और वोड हरगिज कमी न करेगा

اَعْمَالَكُمْ ۗ اِنَّمَا الْحَيٰوةُ الدُّنْيَا لَعِبٌ وَّلَهُمْ وَاِنْ تُوْمِنُوْا وَتَتَّقُوْا

तुमसे तुम्हारे आ'मालमें (३५) दुन्यावी जिन्दगी बस खेलकूद है. और अगर ठमान लाओ, और पुदासे डरो,

يُعَذِّبُ الْمُنَافِقِينَ وَالْمُنَافِقَاتِ وَالْمُشْرِكِينَ وَالْمُشْرِكَاتِ

अजाब दे मुनाफ़िक़ मर्दों और औरतोंको, और मुश्रिक मर्दों और औरतोंको,

الظَّالِمِينَ بِاللَّهِ ظَنَّ السَّوْءِ عَلَيْهِمْ دَائِرَةُ السَّوْءِ وَغَضِبَ اللَّهُ

रहनेवाले अल्लाहसे बहगुमानी. उन्हीं पर डे बहीका चक्कर. और गज़ब करमाया अल्लाह

عَلَيْهِمْ وَلَعَنَهُمْ وَأَعَدَّ لَهُمْ جَهَنَّمَ وَسَاءَتْ مَصِيرًا ۝۶

ने उनपर, और फ़िटकार दिया उन्हें, और तैयार कर रमा डे उनके लिये ज़हनम. और कितना बुरा डे फ़िरनेका ठिकाना (६) और अल्लाह छी डे

جُنُودَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَزِيزًا حَكِيمًا ۝۷

डें सारे लश्कर आस्मानों और ज़मीनके. और अल्लाह ज़बरदस्त छिकमतवाला डे (७) बेशक जेज्ज डमने तुम

شَاهِدًا أَوْ مُبَشِّرًا وَنَذِيرًا ۝۸ لَتُؤْمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَتُعَزِّرُوهُ وَ

क्षेयश्मदीद जवाड, और फ़ुशाभभरी डेबावा, और डर मुमानेवाला (८) तलक़तुम लोभ मान छी ज़ाओ अल्लाह और उसके रज़ूख़के, और ता'ज़ीमकरो उनकी, और

تُوَقِّرُوهُ ۖ وَتُسَبِّحُوهُ بُكْرَةً وَأَصِيلًا ۝۹

तौकीर करो उनकी, और पाकी बोवो उसकी सुबहो शाम (९) बेशक जे जेअत करें तुम्हारी,

إِنَّمَا يُبَايِعُونَ اللَّهَ يَدُ اللَّهِ فَوْقَ أَيْدِيهِمْ فَمَنْ تَكَثَّرَ قَاتِلْنَا

वोड जेअत करते डें अल्लाह छीकी. अल्लाहका हाथ उनके हाथोंके ठीपर डे, तो ज़िसने अहद शिकनीकी, तो वोड अहद शिकनी

يَبْغَتْ عَلَى نَفْسِهِ ۖ وَمَنْ أَوْفَى بِمَا عَاهَدَ عَلَيْكَ اللَّهُ فَسَيُؤْتِيَهُ

करता डे अपने बुरेको. और ज़िसने पूरा कर दिया ज़िस पर अहद किया था अल्लाहसे, तो ज़हद डेगा उसे

أَجْرًا عَظِيمًا ۝۱۰ سَيَقُولُ لَكَ الْمُخَلَّفُونَ مِنَ الْأَعْرَابِ شَغَلَتْنَا

बडा षवाब (१०) अब कडेंगे तुम्हें, जे पीछे रह गये थे गंवार, डि फ़ंसाये रमा

أَمْوَالَنَا وَأَهْلُونَا فَاسْتَغْفِرْنَا ۖ يَقُولُونَ بِالسِّنْتِهِمْ قَالَيْسَ فِي

डमको डमारे माल और डमारे अपनोंने, तो मज़्फ़िरतकी दुआ कीजिये डमारे लिये. “बोलते डें अपनी ज़बानोंसे जे नही डे

قُلُوبِهِمْ ۖ قُلْ فَمَنْ يَمْلِكُ لَكُمْ مِنَ اللَّهِ شَيْئًا إِنْ أَرَادَ بِكُمْ ضَرًّا

उनके हिलोंमें,” पूछो डि फ़िर कौन मज़ल रहता डे तुम्हारे लिये अल्लाहके आगे कुछ, अगर उसने याडा तुम्हें बिगाडनेको,

أَوْ أَرَادَ بِكُمْ نَفْعًا ۖ بَلْ كَانَ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا ۝۱۱

या उसने याडा तुम्हारी बनानेकी. बल्कि अल्लाह जे कुछ करते रहते छो उससे षभरदार डे (११) बल्कि समजे थे तुम,

أَنْ لَّن يَنْقَلِبَ الرَّسُولُ وَالْمُؤْمِنُونَ إِلَىٰ أَهْلِيهِمْ أَبَدًا ۖ وَأَزِيدُنَا

कि उरगिज न लौटेंगे रसूल और मुसल्मान लोग, अपने अपनोंकी तरफ कभी, और संवार ही गँधी थी

ذَلِكَ فِي قُلُوبِكُمْ وَظَنَنْتُمْ ظَنَّ السَّوْءِ ۗ وَكُنْتُمْ قَوْمًا بُورًا ۝۱۲

यह बात तुम्हारे दिलोंमें, और रचली थी तुमने बद्दगुमानी. और तुम बरबाद होनेवाले लोग थे (१२) और

مَنْ لَّمْ يُؤْمَرْ بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ فَإِنَّا أَعْتَدْنَا لِلْكَافِرِينَ سَعِيرًا ۝۱۳

जिसने न माना अल्लाह और उसके रसूलको, तो हमने तैयार कर रची है काफ़िरोंके लिये दहकती आग (१३)

وَاللَّهُ مَلِكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ يَغْفِرُ لِمَن يَشَاءُ وَيُعَذِّبُ مَن يَشَاءُ ۗ

और अल्लाह हीकी है शाही आस्मानों और जमीनकी. बन्धे जिसे चाहे, और अजाब दे जिसे

وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَّحِيمًا ۝۱۴ سَيَقُولُ الْمَخَلْفُونَ إِذَا

चाहे. और अल्लाह गङ्गुरहीम है (१४) अब कहेंगे जो पीछे बैठ रहे थे, जहाँ

أَنْطَلَقْتُمْ إِلَىٰ مَغَانِمَ لِنَأْخُذُهَا ذُرُوءًا تَتَّبِعُكُمْ يُرِيدُونَ

यह पडे तुम अम्बाले गनीमतकी तरफ, कि लेवो तुम उसे, कि हमें आजादी दो कि हम भी यवें तुम्हारे साथ. याहते हें

أَنْ يُبَدِّلُوا كَلِمَ اللَّهِ ۗ قُلْ لَّن تَتَّبِعُونَا كَذَبَكُمْ قَالَ اللَّهُ مِنْ

कि बदल दें अल्लाहके वा'देको. केह दो कि उरगिज नहीं यव सकते तुम हमारे साथ. ऐसा ही इरमा युका है अल्लाह पडले

قَبْلُ ۗ فَسَيَقُولُونَ بَلْ نَحْسَدُ وَنَنَا بَلْ كَانُوا لَا يَفْقَهُونَ إِلَّا

से. तो अब कहेंगे कि बल्कि तुम उसद रचते हो हमसे. बल्कि वोह समजते ही नहीं, मगर

قَلِيلًا ۝۱۵ قُلْ لِلْمُخَلْفِينَ مِنَ الْأَعْرَابِ سُنُدٌ عَوَتْ إِلَىٰ قَوْمِ

कम (१५) केह दो पीछे रह जानेवाले गंवारोंसे. कि अब बुलाओ जाओगे तुम सप्त जंगल

أُولَىٰ بِأَسِ شَدِيدٍ تَقَاتِلُونَهُمْ أَوْ يُسَلِّمُونَ ۚ فَإِن تَطِيعُوا

कोमकी तरफ, कि जिहाद करो उनसे, या वोह मुसल्मान हो जायें. अब अगर कडा मानोगे,

يُؤْتِكُمُ اللَّهُ أَجْرًا حَسَنًا ۚ وَإِن تَتَوَلَّوْا كَمَا تَوَلَّيْتُمْ مِّن قَبْلُ

तो देगा तुम्हें अल्लाह अच्छा पवाब. और अगर फिर गये तुम, जैसा कि फिर गये थे पडले, तो

يُعَذِّبُكُمْ عَذَابًا أَلِيمًا ۝۱۶ لَيْسَ عَلَى الْأَعْمَىٰ حَرْجٌ وَلَا عَلَى الْأَعْرَجِ

देगा तुम्हें दुखवाला अजाब (१६) नहीं है कोरि जर्म अन्धे पर, और न लंगडे पर,

حَرْجٌ وَلَا عَلَى الْمَرِيضِ حَرْجٌ وَمَنْ يُطِعِ اللَّهَ وَرَسُولَهُ يُدْخِلْهُ

और न भीमार पर, और जो कड़ा माने अल्लाह और उसके रसूलका, दाखिल करेगा उसे

جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ وَمَنْ يَتَوَلَّ يَعدُّبُهُ عَذَابًا أَلِيمًا ۱۷

बागोंमें, बेहती हैं जिनके नीचे नहरें. और जो फिर जायेगा, देगा उसे दुःखवाला अजाब (१७)

لَقَدْ رَضِيَ اللَّهُ عَنِ الْمُؤْمِنِينَ إِذْ يُبَايِعُونَكَ تَحْتَ الشَّجَرَةِ

यकीनन ज़रूर राजी हो गया अल्लाह मुसलमानोंसे, जब बैअत कर रहे थे तुम्हारी दरफ्तके नीचे.

فَعَلِمَ مَا فِي قُلُوبِهِمْ فَأَنْزَلَ السَّكِينَةَ عَلَيْهِمْ وَأَثَابَهُمْ فَتْحًا

तो उसे मा'लूम था जो कुछ उनके दिलोंमें है, फिर उतारी तस्कीन उन पर, और धवाब दिया उन्हें जल्द इत्त

قَرِيبًا ۱۸ وَمَعَانِمَ كَثِيرَةً يَأْخُذُونَ بِهَا وَكَانَ اللَّهُ عَزِيزًا حَكِيمًا ۱۹

पानेका (१८) और बहतसा मावे गनीमत, जिसको वोड लोग लें. और अल्लाह जबरदस्त डिक्मतवाला है (१९)

وَعَدَكُمْ اللَّهُ مَعَانِمَ كَثِيرَةً تَأْخُذُونَ بِهَا فَجَعَلَ لَكُمْ هُدًى

वा'दा दिया तुम्हें अल्लाहने बकधरत गनीमतोंका, कि लेते रहोगे जिन्हें, फिर जल्दी इरमादी तुम्हारे लिये उसकी,

وَكَفَّ أَيْدِي النَّاسِ عَنْكُمْ وَلِتَكُونَ آيَةً لِلْمُؤْمِنِينَ وَيَهْدِيَكُمْ

और रोक दिया लोगोंके हाथोंको तुमसे. और ताकि हो जाये निशानी मुसलमानोंके लिये, और यदाता रहे

صِرَاطًا مُسْتَقِيمًا ۲۰ وَأُخْرَى لَمْ تَقْدِرُوا عَلَيْهَا قَدْ أَحَاطَ اللَّهُ

तुम लोगोंको सीधी राह (२०) और दूसरी, कि नहीं बस था तुम्हारा जिस पर, बेशक घेरेमें रभा था अल्लाहने

بِهَا وَكَانَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرًا ۲۱ وَلَوْ قَتَلْتُمُ الَّذِينَ

जिसको. और अल्लाह हर याडे पर कुदरतवाला है (२१) और अगर जंगकी तुमसे जिन्होंने

كَفَرُوا وَالْوَلُوكَ الْأَدْبَارَ ثُمَّ لَا يُحَدُّونَ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ۲۲ سُنَّةَ اللَّهِ

कुड़ किया है, तो भागेंगे पीठ दिभा कर, फिर न पायेंगे कोर्र यार और न मददगार (२२) अल्लाहका दस्तूर

الَّتِي قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلُ ۲۳ وَلَنْ يَجِدَ لِسُنَّةِ اللَّهِ تَبْدِيلًا ۲۴ وَ

जो डोता रहा पडलेसे. और हरगिज न पाओगे अल्लाहके दस्तूरमें तब्दीली (२३) वोडी है

هُوَ الَّذِي كَفَّ أَيْدِيَهُمْ عَنْكُمْ وَأَيْدِيَكُمْ عَنْهُمْ بِبَطْنِ مَكَّةَ

जिसने रोक रभा उनके हाथोंको तुमसे, और तुम्हारे हाथोंको उनसे, वादीये मक्कामें.

الْحَمْدُ لِلَّهِ
عَلَىٰ كُلِّ
شَيْءٍ قَدِيرٌ

بِالْهُدَىٰ وَدِينِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَهُ عَلَى الدِّينِ كُلِّهِ ۗ وَكَفَىٰ

छिदायत, और दीने उकके साथ, ताकि गालिब कर दे उसे उर अक दीन पर. और अल्लाह

بِاللَّهِ شَهِيدًا ۖ هُمَّا رُسُلُ اللَّهِ ۗ وَالَّذِينَ مَعَهُ أَشِدَّاءُ عَلَى

काकी गवाह है (२८) कि मुहम्मद अल्लाहके रसूल हैं. और जो उनके अरखाब हैं, सप्त हैं

الْكُفَّارِ سَحَاءٍ بَيْنَهُمْ تَرَاهُمْ رُكَّعًا سُجَّدًا يَبْتَغُونَ فَضْلًا مِّنَ

काकिरों पर, रहम दिल हैं आपसमें, उन्हें देभोगे रुकूअ करते हूअे, सजदेमें पडे हूअे, याहते हैं इज्जकी

اللَّهِ وَرِضْوَانًا سَيِّئًا هُمْ فِي وُجُوهِهِمْ مِّنْ أَثَرِ السُّجُودِ ۗ ذَٰلِكَ

अल्लाहसे और भुशनूदीको. उनकी पडयान है उनके चेहरोंमें सजदोंके निशानसे. यह बयान है

مَثَلُهُمْ فِي التَّوْرَةِ ۗ وَمَثَلُهُمْ فِي الْإِنْجِيلِ ۗ كَزَرْعٍ أَخْرَجَ شَطَاً،

उनका तोरेतमें, और जिक है उनका ईज्जलमें, कि जैसे भेती है जिसने निकाली

فَازْرَأْهَا فَاسْتَعْلَظَ فَاسْتَوَىٰ عَلَىٰ سُوقِهِ يُعْجِبُ الرُّعَاةَ لِيُغِيظَ

अपनी सूई, फिर उसे कुवत दी, फिर मोटी हुई, फिर अपनी जउ पर भडी हो गई, भली लगे काश्तकारोंको, ताकि जल लुनें

بِهِمُ الْكُفَّارَ ۗ وَعَدَّ اللَّهُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ مِنْهُمْ

उससे सारे काकिर. वा'दा दिया अल्लाहने उन्हें, जो ईमान लाअे और नेकियांकी, उनमें

مَغْفِرَةً ۖ وَأَجْرًا عَظِيمًا ۖ

से मग्दिरत और बडे षवाबका (२८)

سُورَةُ الْحَجَرَاتِ
الْحَجَرَاتُ
۱۸

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

سُورَةُ الْحَجَرَاتِ
مَكِّيَّةٌ
۴۹ آيَاتٌ

सूरअे हजुरात मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बडा महरभान बग्शनेवाला

आयात १८ रुकूअ २

يَأْيُهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَقَدِّمُوا بَيْنَ يَدَيْ اللَّهِ وَرَسُولِهِ ۗ وَ

अै ईमानवालो ! न बढे अल्लाह और उसके रसूलके आगे. और

اتَّقُوا اللَّهَ ۚ إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝۱ يَأْيُهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَرْفَعُوا

उरते रओ अल्लाहको. भेशक अल्लाह सुननेवाला ईल्मवाला है (१) अै ईमानवालो ! न ठीथी करो अपनी अपनी

أَصْوَاتَكُمْ فَوْقَ صَوْتِ النَّبِيِّ وَلَا تَجْهَرُوا لَهُ بِالْقَوْلِ كَجَهْرِ

आवाजको, आं उजरतकी आवाज पर. और न थिल्लाओ वहां, भात करनेमें अक हूसरे

بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ أَنْ تَحْبَطَ أَعْمَالُكُمْ وَأَنْتُمْ لَا تَشْعُرُونَ ﴿۲﴾ إِنَّ

سے بھیلوانے کی तरड, कि अकारत छो ज्ञाअंगे तुम्हारे आमाव, और तुम बेभबर ही रहोगे (२) बेशक जो

الَّذِينَ يَعْضُونَ آصْوَاتَهُمْ عِنْدَ رَسُولِ اللَّهِ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

पस्त रभें अपनी आवाजोंको, रसूलुल्लाहके पास, तो वोही हें कि भरा कर दिया

أَمْحَنَ اللَّهُ قُلُوبَهُمْ لِلتَّقْوَىٰ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ ۗ وَأَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿۳﴾ إِنَّ

अल्लाहने उनके दिलोंको भोके पुटाके लिये. उनहीके लिये मगिरेत है और बडा घवाव (३) बेशक जो

الَّذِينَ يُنَادُونَكَ مِنْ وَرَاءِ الْحُجُرَاتِ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ ﴿۴﴾

पुकारें तुमको डुजरोंके बाहरसे, उनके बोहतेरे अकल नहीं रहते (४)

وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا حَتَّىٰ تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَهُمْ ۗ وَاللَّهُ

और अगर वोह रुके रहते, यहां तक कि बरआमद छोते तुम भुट उनकी तरफ, तो यकीनन बेहतर छोता उनके लिये. और अल्लाह

غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۵﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِنْ جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ

गहूररहीम है (५) अै ईमानवावो ! अगर वे आया तुम्हारे पास कोई फासिक किसी भबरको, तो भुव तडकीक कर वो, कि

فَتَبَيَّنُوا أَنْ تُصِيبُوا قَوْمًا بِمِجَالَتِهِ فَتُصِيبُوا عَلَىٰ مَا فَعَلْتُمْ

मुसीबत डाल बैहो किसी कौम पर बेभबरीमें, तो रह ज्ञाओ जो कर गुजरो उस पर

نُدْمِينَ ﴿۶﴾ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ لَوْ يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ

पछतानेवावे (६) और ज्ञान वो कि भिवाशुभल तुममें रसूलुल्लाह हें, अगर मान लिया करें तुम्हारी बहोतसे

مِّنَ الْأَمْرِ لَعِنْتُمْ وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَّبَ إِلَيْكُمُ الْإِيمَانَ وَزَيَّنَّا فِي

कामों में, तो यकीनन तुम मशकतमें पड जते, लेकिन अल्लाहने मडभूव बना दिया तुम्हें ईमानको, और सजा दिया उसे

قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَتْ إِلَيْكُمُ الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ أُولَٰئِكَ هُمُ

तुम्हारे दिलोंमें, और नागवार कर दिया तुम्हें कुफ व नाकरमानी व बेहुकमीको. वोही हें रुशदो

الرَّشِدُونَ ﴿۷﴾ فَضَلَّا مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ۗ وَاللَّهُ عَلَيْهِمْ حَكِيمٌ ﴿۸﴾ وَ

डिडायतवावे (७) अल्लाहका फ़ज़लो करम. और अल्लाह ईल्मवावा डिक्मतवावा है (८) और

إِنْ طَافْتُمْ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْحَابُ بَيْنَهُمَا فَإِنْ

अगर दो गिरोह मुसल्मानोंके बाहम लड पड़ें, तो सुल्ल करादो उनके दरभियान. फिर अगर

بَعَثَ أَحَدَهُمَا عَلَى الْأُخْرَى فَقَاتِلُوا الَّتِي تَبَغَى حَتَّى تَفِيءَ

ज़्यादतीकी एकने दूसरे पर, तो वउ जाओ उससे जो ज़्यादती कर रखा है, यहाँ तक कि वोड रुजूअ लाअे

إِلَى أَمْرِ اللَّهِ فَإِنْ فَاءَتْ فَأَصْدِحُوا بَيْنَهُمَا بِالْعَدْلِ وَأَقْسِطُوا

अल्लाहके हुकम की तरफ़, तो अगर रुजूअ लाअे, तो सुल्ल कर दो उनके दरमियान ठ-साफ़से, और ठ-साफ़से काम लिया करो.

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُقْسِطِينَ ۙ إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ إِخْوَةٌ فَأَصْحَبُوا

भेशक अल्लाह पसन्द करमाता है ठ-साफ़वालोंको (८) सारे मुसलमान भाई ही हैं, तो सुल्ल

بَيْنَ أَخْوِيكُمْ وَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ ۙ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

करा दो अपने भाईयोंमें, और अल्लाहको डरो कि तुम रडम किये जाओ (१०) अै ठमान

آمَنُوا لَا يَسْخَرَكُمُ مِنْ قَوْمٍ عَلَىٰ أَنْ يَكُونُوا خَيْرًا مِنْهُمْ وَلَا

वालो ! न हंसी उडाअें मई किसी मईकी, बडोत मुम्किन है कि वोड बेहतर हों ठन हंसी उडानेवालोंसे.

نِسَاءً مِنْ نِسَاءِ عَسَىٰ أَنْ يَكُنَّ خَيْرًا مِنْهُنَّ ۗ وَلَا تَلْمِزُوا أَنْفُسَكُمْ

और न औरतें औरतोंसे, हो सकता है वोड बेहतर हों हंसी उडानेवालियोंसे. और न ता'ना दिया करो अपनोंको,

وَلَا تَتَابَزُوا فِي الْفُسُوقِ بَعْدَ الْإِيمَانِ ۗ وَ

और मत बुरे बुरे रभो आपसमें नाम. कितना बुरा नाम है नाकरमानी करनेका ठमान लानेके भा'द. और

مَنْ لَمْ يَتُبْ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ۙ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

जिसने तौबा न की, तो वोही ज़्यादती करनेवाले हैं (११) अै ठमानवालो !

اجْتَنِبُوا كَثِيرًا مِنَ الظَّنِّ ۗ إِنَّ بَعْضَ الظَّنِّ إِثْمٌ وَلَا تَجَسَّسُوا

बयो भोडतेरे गुमानसे. बिलाशुभड कोई कोई गुमान गुनाह होता है, और औबजूठ न किया करो,

وَلَا يَغْتَبِ بَعْضُكُمْ بَعْضًا ۗ أَيُّبُ أَحَدُكُمْ أَنْ يَأْكُلَ لَحْمَ أَخِيهِ

और न गीबत करे अेक दूसरेकी. क्या पसन्द करेगा तुममें कोई, कि "भाअे अपने मरे भाईका

مَيْتًا فَكَرِهْتُمُوهُ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۗ إِنَّ اللَّهَ تَوَّابٌ رَحِيمٌ ۙ يَا أَيُّهَا

गोश्त," उसकी तो तुमने नागवार करार दिया. और डरते रडो अल्लाहको. भेशक अल्लाह तौबा कबूल करमानेवाला रडमवाला है (१२) अै

النَّاسُ إِنَّا خَلَقْنَاكُمْ مِنْ ذَكَرٍ وَأُنْثَىٰ وَجَعَلْنَاكُمْ شُعُوبًا وَقَبَائِلَ

लोगो ! बिलाशुभड डमने पैदा करमाया तुम सबकी अेक मई और अेक औरतसे, और बना दिया तुम्हें कई शाभें, और कई कबीले,

وَالَّذِينَ

لَتَعَارَفُوا ۙ إِنَّ أَكْرَمَكُمْ عِنْدَ اللَّهِ أَتَقَىٰكُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ خَبِيرٌ ﴿۱۳﴾

ताकि आपसम फइयान रभो भेशक कुछरा ज्मादा ईज्जतवाला अल्लाहकेन जदीक तुममें राबसे ज्मादा फुदसे दरनेवाला छे, भेशक अल्लाह ईल्मवाला बभरदार छे (१३)

قَالَتِ الْأَعْرَابُ ۙ آمَنَّا ۙ قُلْ لَمْ تُؤْمِنُوا وَلَكِنْ قُولُوا أَسْلَمْنَا وَلَمَّا

बोले गंवार, कि “हमने मान लिया.” केह हो, कि “तुमने माना नहीं,” लेकिन कछो, कि “हम हब गअे.” और अभी

يَدْخُلِ الْإِيْمَانُ فِي قُلُوبِكُمْ ۗ وَإِنْ تُطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ لَا يَلِفَكُمْ

नहीं दाबिल हुवा मान जाना तुम्हारे हिलोंमें. और अगर कछा मानो अल्लाह और उसके रसूलका, तो न कमी इरमाअेगा

مِنْ أَعْمَالِكُمْ شَيْئًا ۗ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۴﴾ إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ الَّذِينَ

तुम्हारी तुम्हारे आ’मालसे कुछ, भेशक अल्लाह गइरुरहीम छे (१४) मान जानेवाले वोही छें, जो

آمَنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ ۙ لَمْ يَرْتَابُوا ۗ وَجَاهِدُوا بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ

मान गअे अल्लाह और उसके रसूलको, इर जरा शक न किया, और जिहाद किया अपने अपने माल और जानसे

فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ أُولَٰئِكَ هُمُ الصَّادِقُونَ ﴿۱۵﴾ قُلْ أَتَعْلَمُونَ اللَّهَ

अल्लाहकी राहमें. वोही छें सअे (१५) केह हो, कि “क्या जताते हो अल्लाहको

بِيَدَيْكُمْ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ وَاللَّهُ بِكُلِّ

अपना हीन.” और अल्लाह जान रछा छे जो कुछ आस्मानों और जो कुछ जमीनमें छे. और अल्लाह हर अेक

شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۱۶﴾ يَسْتُونَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوا ۙ قُلْ لَا تَسْتُوا عَلَيَّ

का जाननेवाला छे (१६) अेहसान धरते छें तुम पर कि मुसल्मान हो गअे. केह हो, कि “मत अेहसान रभो मुज पर

إِسْلَامَكُمْ ۗ بَلِ اللَّهُ يَمُنُّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدَاكُمْ لِلدِّيْمَاتِ ۗ إِنَّ

अपने ईस्लामका.” बल्कि अल्लाह अेहसान रभता छे तुम पर, कि राह ही तुम्हें ईमानकी, अगर तुम

كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۱۷﴾ إِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ غَيْبَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۗ وَ

सअे हो (१७) भेशक अल्लाह जानता छे सारा गैब आस्मानों और जमीनका. और

اللَّهُ بِصِيرٍ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿۱۸﴾

अल्लाह निगरां छे जो कुछ तुम कर रछे हो (१८)

۳۱

۴

سُورَةُ ق ۵۰ مَكِّيَّةٌ ۳۳

सूरअे काइ मकिक्क्या

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बभशनेवाला

आयात ४५ रुकूअ ३

قَالَ وَالْقُرْآنِ السَّجِيدِ ۝ بَلْ عَجَبُوا أَنْ جَاءَهُمْ مُنذِرٌ مِنْهُمْ

कॉक, कसम हे कुरआन मज्जदकी (१) बल्कि अयम्बेमें पड गये लोग, कि आ गया उनके पास डर सुनानेवाला उन्हीं मेंसे,

فَقَالَ الْكُفْرُونَ هَذَا شَيْءٌ عَجِيبٌ ۝ إِذْ آمَنَّا وَكُنَّا تُرَابًا ۝

तो बोले काफिर लोग, “यह अज्जब चीज है (२) क्या जब हम मर चुके और छो गये मीट्टी,

ذَلِكَ رَجَعُ بَعِيدٌ ۝ قَدْ عَلِمْنَا مَا تَنْقُصُ الْأَرْضُ مِنْهُمْ ۝ وَ

यह दोबारा वापसी दूर है” (३) भेसक हम जानते रहे जो कुछ घटा देगी जमीन उन्हें. और

عِنْدَنَا كِتَابٌ حَفِيظٌ ۝ بَلْ كَذَّبُوا بِالْحَقِّ لَمَّا جَاءَهُمْ فَهُمْ فِي

हमारे यहां नविश्ता है याददाश्त वाला (४) बल्कि लुटलाया उन्हींने डकको जबकि आ चुका उनके पास, तो बोले, “कभी यह कभी

أَمْرٍ مَرِيحٍ ۝ أَفَلَمْ يَنْظُرُوا إِلَى السَّمَاءِ فَوْقَهُمْ كَيْفَ بَنَيْنَاهَا وَ

बोले” में पडे हें (५) तो क्या नहीं निगाडकी आस्मानकी तरफ अपने ठीपर, कि केसा कुब्जा बनाया हमने उसे, और

زَيَّنَّاهَا وَمَا لَهَا مِنْ فُرُوجٍ ۝ وَالْأَرْضِ مِمَّا مَدَدْنَاهَا وَأَلْقَيْنَا فِيهَا

संवारा उसको, और नहीं है उसमें कोर शिगाफ (६) और जमीनको डेला दिया हमने, और गाड दिये उसमें

رَوَاسِيَ وَأَنْبَتْنَا فِيهَا مِنْ كُلِّ زَوْجٍ بَهِيجٍ ۝ تَبَصَّرَةٌ وَذَكَرَى

पडाड, और उगाया उसमेंसे डर तरडके भुशनुमा जोडे (७) देभने और समजनेको डर बन्दे

لِكُلِّ عَبْدٍ مُنِيبٍ ۝ وَنَزَّلْنَا مِنَ السَّمَاءِ مَاءً مُبْرَكًا فَأَنْبَتْنَا

के लिये जो रुजूअ लानेवाले (८) और उतारा हमने आस्मानसे बाबरकत पानी, फिर उगाये उसके सबभसे

بِهِ جَدَّتِ وَحَبَّ الْحَصِيدِ ۝ وَالنَّخْلَ بَسَقَتِ لَهَا طَلْعُ نَضِيدٍ ۝

भाग, और अलियानका गड्ला (९) और भजूरके ठीये ठीये दरफ्त, जिसके तेड भ तेड चुकके (१०)

رَمَتْ قَالِ الْعِبَادِ ۝ وَأَحْيَيْنَا بِهِ بَلْدَةً مَيْمًا ۝ كَذَلِكَ الْخُرُوجُ ۝

रोजी सारे बन्दोंकी, और जिन्दा कर दिया हमने उससे मुर्दा आबादीको. उसी तरडसे तुम्हारा निकलना छोगा (११)

كَذَّبَتْ قَبْلَهُمْ قَوْمُ نُوحٍ وَأَصْحَابُ الرَّسِّ وَثَمُودُ ۝ وَعَادٌ وَ

लुटलाया उनके पडले नूडकी कौमने, और याडरस वालोंने, और धमूहने (१२) और आदने, और

فِرْعَوْنُ وَإِخْوَانُ لُوطٍ ۝ وَأَصْحَابُ الْأَيْكَةِ وَقَوْمُ تُبَّعٍ كُلٌّ

डिरओनने, और लूतकी बिरादरीवालोंने (१३) और ज़ाडीवालोंने, और तब्बूकी कौमने, सबने

كَذَّبَ الرَّسُلَ فَحَقَّ وَعَيْدٌ ۱۷ أَفَعَيِّنَا بِالْخَلْقِ الْأَوَّلِ ۙ بَلْ

جुटलाया रसूलोंको, तो दुरुस्त निकला हमारा अजाबका वा'दा (१४) तो क्या हम थक गये थे पहली बार बनानेमें? भट्ठि

۱۷-۱۹

هُمَّ فِي لَيْسٍ مِّنْ خَلْقٍ جَدِيدٍ ۱۸ وَلَقَدْ خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ وَ

वोह शुभवलमें हें नअे बननेसे (१५) और बेशक पैदा इरमाया हमने ई-सानको, और

نَعَلَمُ مَا تُوَسَّوَسُ بِهِ نَفْسُهُ ۗ وَنَحْنُ أَقْرَبُ إِلَيْهِ مِنْ حَبْلِ

हम जानते हें जो वस्वसा डाला करता है उसका नफ्स. और हम कहीं ज़्यादा नजदीक हें उसके रगे

الْوَرِيدِ ۱۹ إِذْ يَتَلَفَّى السَّمْتَلِقِينَ عَنِ الْيَمِينِ وَعَنِ الشِّمَالِ

जानसे (१६) जब लेते रहते हें दो लेनेवाले दाहिने बाअें

قَعِيدٌ ۲۰ مَا يَلْفِظُ مِنْ قَوْلٍ إِلَّا لَدَيْهِ رَقِيبٌ عَتِيدٌ ۱۸ وَ

बैठे (१७) नहीं बोलता कोई बोल, मगर उसके पास निगरां मुस्तईद (१८) और

جَاءَتْ سَكْرَةُ الْمَوْتِ بِالْحَقِّ ۙ ذَٰلِكَ مَا كُنْتَ مِنْهُ تَحِيدُ ۱۹

आ गई जांकीकी सपनी हकके साथ. कि "उसीसे तो लुगता था" (१८)

وَنُفِخَ فِي الصُّورِ ۙ ذَٰلِكَ يَوْمُ الْوَعِيدِ ۲۰ وَجَاءَتْ كُلُّ نَفْسٍ

और झंका गया सूरमें. यह है वा'दअे अजाबका दिन (२०) और आई हर जान,

مَعَهَا سَائِقٌ وَشَهِيدٌ ۲۱ لَقَدْ كُنْتَ فِي عُقْلَةٍ مِّنْ هَذَا فَكَشَفْنَا

उसके साथ अेक हांकनेवाला है, और अेक गवाह है (२१) कि बिलाशुभवल तू गइलतमें पडा था ईससे, "अब उटा दिया

عَنْكَ غِطَاءَكَ فَبَصَرُكَ الْيَوْمَ حَدِيدٌ ۲۲ وَقَالَ قَرِينُهُ هَذَا

हमने तुजसे तेरे पईको, तो तेरी निगाह आज तेज है" (२२) और बोला उसके साथ रहनेवाला, कि यह

مَا لَدَىٰ عَتِيدٌ ۲۳ أَلْقِيَا فِي جَهَنَّمَ كُلَّ كَفَّارٍ عَنِيبٍ ۲۴ مَتَّاعٍ

नामअे आ'माल है जो हमारे पास तैयार है (२३) तुम दोनों जौंक दो जइन्नममें सब बडे नाशुके जिदीको (२४) बछेत रोकनेवाला

لِلْآخِرِ مُعْتَدٍ مُّرِيبٍ ۲۵ الَّذِي جَعَلَ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ الْقَبِيءِ

भेर भैरातसे, सरकश शकमें पडा रहनेवाला (२५) जिसने बना लिया अल्लाहके साथ दूसरे मा'बूदको, तो डाल दो उसे

فِي الْعَذَابِ الشَّدِيدِ ۲۶ قَالَ قَرِينُهُ رَبَّنَا مَا أَطَّغَيْتُهُ وَلَكِن

सप्त अजाबमें (२६) बोला उसका साथी शैतान, कि परवरदिगारा नहीं सरकश किया मैंने ईसको, लेकिन यह था

كَانَ فِي ضَلَالٍ بَعِيدٍ ۝ قَالَ لَا تَخْتَصِمُوا لَدَائِي وَقَدْ

मुह ही दूरकी गुमराहीमें (२७) इरमान हुआ कि तुम लोग मत जगडो हमारे पास, डालांकि

قَدَّمْتُ إِلَيْكُمْ بِالْوَعِيدِ ۝ مَا يُبَدِّلُ الْقَوْلُ لَدَائِي

बिवाशुबल पडले भेज युका में तुम्हारी तरफ अजाबका वा'दा (२८) नहीं पलटती बात भेरे यहाँ,

وَمَا أَنَا بِظَلَّامٍ لِلْعَبِيدِ ۝ يَوْمَ نَقُولُ لِمَنْ هَلْ امْتَلَأَتْ

और न में ज़्यादाती करनेवाला हूँ भन्तों पर (२९) जिस दिन कि हम पूछेंगे जहन्नमसे, कि "क्या तू भर चुकी?"

وَتَقُولُ هَلْ مِنْ مَزِيدٍ ۝ وَأَزَلَفْتِ الْجَنَّةَ لِلْمُتَّقِينَ غَيْرَ

और वोड जवाब देगी, कि "कुछ और ज़्यादा है?" (३०) और नजदीक बाँध ज़अेगी जन्नत, मुदासे उरनेवालोंके,

بَعِيدٍ ۝ هَذَا مَا تُوْعَدُونَ لِكُلِّ أَوَّابٍ حَفِيظٍ ۝ مَنْ

कि दूर न रहे (३१) यह है जिसका वा'दा दिये गये थे तुम, उर तौबा करनेवाले, बिहाज रभनेवालेके लिये (३२) जो

خَشِيَ الرَّحْمَنَ بِالْغَيْبِ وَجَاءَ بِقَلْبٍ مُنِيبٍ ۝ ادْخُلُوهَا

उर गया मुदाअे महरबानको भेदेभे, और लाया रुजूअ करनेवाला दिल् (३३) ज़अो ठसमें

بِسَلَامٍ ۝ ذَلِكَ يَوْمُ الْخُلُودِ ۝ لَهُمْ مَا يَشَاءُونَ فِيهَا وَ

सलामतीसे. यह है हमेशगीका दिन (३४) उनके लिये है जो यार्ले उसमें, और

لَدَيْنَا مَزِيدٌ ۝ وَكَمْ أَهْلَكْنَا قَبْلَهُمْ مِنْ قَرِينٍ هُمْ أَشَدُّ

हमारे यहाँ और ज़्यादा है (३५) और कितनी भरबाद कर दी हमने उनके पडले कर्ण उम्मत, जो ज़्यादा सप्त थे

مِنْهُمْ بَطْشًا فَنَقَّبُوا فِي الْبِلَادِ ۝ هَلْ مِنْ مَّحِيصٍ ۝ إِنَّ

उनसे पकडमें. तो छान डावा उन्होंने शहरोंमें. कि क्या कोर्ण ल्वागनेकी जगड है (३६) भेशक

فِي ذَلِكَ لَذِكْرَى لِمَنْ كَانَ لَهُ قَلْبٌ أَوْ أَلْقَى السَّمْعَ

ठसमें यकीनन नसीहत है, उसके लिये जिसके दिल् है, और उसने कान लगाया,

وَهُوَ شَاهِدٌ ۝ وَلَقَدْ خَلَقْنَا السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا

और वोड मुतवज्जेड है (३७) और भेशक पैदा इरमाया हमने आस्मानों, और जमीनको, और उनके दरमियान

فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ۝ وَمَا مَسَّنَا مِنْ لُغُوبٍ ۝ فَاصْبِرْ عَلَىٰ مَا

को, छे दिनमें. और नहीं छू गर्ण हमें कोर्ण तकान (३८) तो सध्र करते रहो उस पर, जो वोड

يَقُولُونَ وَسُبْحٰنَ مُحَمَّدٍ رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوعِ الشَّمْسِ وَقَبْلَ

کہتے ہیں، اور پاکی بولتے اپنے رب کی حمد کے ساتھ، سورج نکلنے سے پہلے، اور ڈوبنے

الغُرُوبِ ۳۹ وَمِنَ اللَّيْلِ فَسَبِّحْهُ وَأَدْبَارَ السُّجُودِ ۴۰ وَأَسْمِعْ

سے پہلے (۳۹) اور رات کو بھی پاکی بولتے رہو اسی کی، اور ہر سجدے والی عبادتوں کے بعد (۴۰) اور بولنے

يَوْمَ يُنَادِ الْمُنَادُ مِنْ مَّكَانٍ قَرِيبٍ ۴۱ يَوْمَ يَسْمَعُونَ الصَّيِّاتِ

رہو جس دن پکارے گا پکارنے والا کربی جگہ سے (۴۱) جس دن سونے والے آواز کے

بِالْحَقِّ ذَلِكَ يَوْمَ الْخُرُوجِ ۴۲ إِنَّا نَحْنُ مُخِيٌّ وَنُبَيْتٌ وَإِلَيْنَا

سچ ہے کہ جس دن نکلنے کا دن (۴۲) "بے شک ہم ہی جیلائے، اور ہم ہی مارتے، اور ہماری ہی

الْمَصِيرُ ۴۳ يَوْمَ تَشْقُقُ الْأَرْضُ عَنْهُمْ سَرَّاعًا ۴۴ ذَلِكَ حَشْرٌ

توڑ کر پھینک کر آنا ہے" (۴۳) جس دن زمین ان سے جھکی جھکی نکل پڑے گی۔ یہ دن ہر دم پر

عَلَيْنَا يَسِيرٌ ۴۴ نَحْنُ أَعْلَمُ بِمَا يَقُولُونَ وَمَا أَنْتَ عَلَيْهِمْ

آسان ہے (۴۴) ہم بولتے ہیں جو کچھ وہ کہتے رہتے ہیں، اور تو ان کے لیے

بِجَبَابٍ ۴۵ فَذَكَرْ بِالْقُرْآنِ مَنْ يَخَافُ وَعَبِيدٌ ۴۶

جواب دے کر... تو قرآن سے، جو ڈرے میرے ڈرانے والے (۴۵)

سُورَةُ الذّٰرِيَاتِ ۵۱ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ آیات ۱ تا ۴۶

سورۃ زاریات مکیّیہ

نام سے اعلیٰ کے بڑا مہربان بھوننے والا

آیات ۱ تا ۴۶

وَالذّٰرِيَاتِ ذُرَّوًا ۱ فَالْحَمَلِ ۲ وَقَرًا ۳ فَالْجَبْرِ ۴ يُسْرًا ۵ فَالْمُقَسَّمِ ۶

کسم ہے ذرات، ڈھلے کر چوہار اڑانے والی (۱) کھیر بادل کا بول اڑانے والی (۲) کھیر نرم چلنے والی (۳) کھیر ٹوک سے مٹا دینے

أَمْرًا ۷ إِنَّمَا تُوْعَدُونَ لَصَادِقٍ ۸ وَإِنَّ الدِّينَ لَوَاقِعٌ ۹ وَالسَّمَاءِ ذَاتِ

والی (۴) کس کا وعدہ (۵) کس کا وعدہ (۶) کس کا وعدہ (۷) کس کا وعدہ (۸) کس کا وعدہ (۹) کس کا وعدہ

الْحُبِّ ۱۰ إِنَّكُمْ لَفِي قَوْلٍ مُّخْتَلِفٍ ۱۱ يُؤْفِكُ عَنْهُ مَنْ أُوْفِكَ ۱۲ قَتَلَ

آسمان کی (۱۰) بے شک تو لوگ یقین نہ کرے گا کہ وہی کس کا وعدہ (۱۱) اٹھاتا ہے اس سے وہی جو جنم کا اٹھا گیا ہے (۱۲)

الْحَرِصُونَ ۱۳ الَّذِينَ هُمْ فِي عَمْرَةٍ سَاهُونَ ۱۴ يَسْأَلُونَ أَيَّانَ يَوْمِ

گھرنے والے (۱۳) جن کے لیے وہی (۱۴) پوچھتے ہیں کہ کب ہے اس کا

مَارِ ۱۵ أَلَمْ تَكُنْ لَنَا آيَةً ۱۶ وَقُلْنَا لَهُمْ كَلِمَاتٍ فَتَحَدَّثْتُمْ عَنْهَا ۱۷

تو نہیں تھی تمہارے لیے (۱۵) اور ہم نے ان کو کئی کلمات کہے تو ان سے تم نے اس کے بارے میں

الدِّينِ ١٣ يَوْمَ هُمْ عَلَى النَّارِ يُقْتَلُونَ ١٤ ذُوُوا فَتَنِكُمْ هَذَا الَّذِي

दिन (१२) उस दिन कि वोह आग पर रभे जाओगे (१३) कि यभो अपना कित्ना. यही हे जिसकी

كُنْتُمْ بِهَا تَسْتَعْجِلُونَ ١٥ إِنَّ السَّقِيْنَ فِي جَدَّتِ وَعَيُّونَ ١٦ أَخَذَيْنَ

जल्दी मयाते थे तुम (१४) बेशक अल्हाडसे उरनेवाले भागों और यशमोंमें हें (१५) लेनेवाले

مَا أَتَاهُمْ رَبُّهُمْ أَتَاهُمْ كَمَا تَوَقَّعْتُمْ ذَلِكَ مُحْسِنِينَ ١٧ كَانُوا قَلِيلًا مِّنَ

जो कुछ दिया उनहें उनके रभने. बेशक यह थे उससे पहले अेहसान वाले (१६) यह थे रातको

الْبَيْلِ مَا يَهْجَعُونَ ١٨ وَبِالْأَسْكَارِ هُمْ يَسْتَغْفِرُونَ ١٩ وَفِي أَمْوَالِهِمْ

कम सोते (१७) और पिछली रातमें यह ँस्तिगफार करते थे (१८) और उनके मालोंमें

حَقٌّ لِلسَّائِلِ وَالْمَحْرُومِ ٢٠ وَفِي الْأَرْضِ آيَاتٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ ٢١ وَفِي

उक था सवाली और बेसवालीका (१९) और जमीनमें निशानियां हें यकीनवालोंके लिये (२०) और भुद तुम

أَنْفُسِكُمْ أَفَلَا تُبْصِرُونَ ٢٢ وَفِي السَّمَاءِ رِزْقُكُمْ وَمَا تُوعَدُونَ ٢٣ قُرْبِ

लोगोंमें, तो क्या नजरसे काम नहीं लेते (२१) और आस्मानमें तुम्हारी रोजी है, और वोह जिसका वा'दा दिये जाते हो (२२) तो कसम

السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ إِنَّهُ لَحَقٌّ مِّثْلَ مَا أَنَّكُمْ تَنْطِقُونَ ٢٤ هَلْ أَتَاكَ حَدِيثُ

हें आस्मान व जमीनके रभकी, कि बेशक यह यकीनन उक है, ँसी तरह जैसे तुम भोलते हो (२३) क्या आ युकी तुम्हारे पास

صَيْفِ إِبْرَاهِيمَ النَّكْرِيِّ ٢٥ إِذْ دَخَلُوا عَلَيْهِ فَقَالُوا سَلِّمًا قَالَ سَلِّمٌ

ँब्राहीमके मुअज्जल महमानोंकी बात ..(२४)..कि जब वोह दाभिल हूअे उन पर, तो बोले सलाम, जवाब दिया सलाम,

قَوْمٌ مُّنتَكِرُونَ ٢٦ فَرَاغَ إِلَىٰ أَهْلِهَا فَأَجْعَلِ سَمِيْنَ ٢٧ فَقَرَّبَ إِلَيْهِمْ

अ-जान लोग (२५) फिर यले गअे अपने घरवालोंकी तरक, तो ले आअे (मुना हुवा भछडा (२६) फिर नजदीक कर दिया उसे

قَالَ الْآتَاكَ لَوْنٌ ٢٨ فَأَوْجَسَ مِنْهُمْ خِيفَةً ٢٩ قَالُوا لَا خِيفَةَ مِنَّا بِشَرِّهِمْ بِعِلْمِ

ँन महमानोंकी तरक, बोले कि क्या तुम लोग नहीं भाया करते (२७) तो हिलमें लगे उरने उनसे, वोह बोले कि उरिये नहीं और भुशाभभरी ही ँल्म

عَلَيْهِمْ ٣٠ فَأَقْبَلَتْ امْرَأَتُهُ فِي صَرَّةٍ فَصَكَّتْ وَجْهَهَا وَقَالَتْ عَجُوزٌ

वाले बेटेकी (२८) तो सामने आँ उनकी बीबी शोर करती, फिर अपना माथा ठोंका, और बोली, कि “भुडिया

عَقِيْمٌ ٣١ قَالُوا كَذَلِكَ ٣٢ قَالَ رَبُّكَ إِنَّهُ هُوَ الْحَكِيْمُ الْعَلِيْمُ ٣٣

भांउके” (२९) उन मेहमानोंने कडा, कि “अैसा ही इरमाया है आपके रभने.” बेशक वोह डिकमतवाला ँल्मवाला है (३०)